M.A. (Part – I) (Pali & Prakrit) (CBCS Pattern) First Semester

MAPPCBCS101-Suttapitak Sahitya Ani Vyakran Paper-I

(सुत्तपिटक साहित्य आणि व्याकरण)

P. Pages : 4 **GUG/W/18/10266**

Time : Three Hours * 2 5 2 4 * Max. Marks : 80

सूचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
सभी सवाल छुड़ाना अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) पाली प्राकृत व संस्कृत भाषेच्या संरचनेची वैशिष्ट्ये स्पष्ट करा. **10**
पाली प्राकृत और संस्कृत भाषा की संरचना स्पष्ट कीजिएँ।

किंवा / अथवा

भाषा म्हणजे काय? पालि भाषेचे स्वरुप स्पष्ट करा.
भाषा क्या है? पालि भाषा के स्वरुप स्पष्ट कीजिएँ।

ब) पालि भाषेच्या संरचनेची चर्चा करा. **6**
पालि भाषा की संरचना की चर्चा कीजिए।

किंवा / अथवा

पालि आणि प्राकृत भाषाशास्त्रीय विकास स्पष्ट करा.
पालि और प्राकृत भाषा का भाषाशास्त्रीय विकास स्पष्ट कीजिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा **कोणताही एक.** **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए **कोई भी एक।**

1) अत्तानं चे पियं जञ्ञा रक्खेय्य तं सुरक्तितं।
तिण्णमञ्जतरं यामं पटिजग्गेय्य पण्डितो।।

2) अत्तानं एव पठमं पटिरुपे निवेसये।
अथञ्ञमनुसासेय्य न किलिस्सेय्य पण्डितो।।

3) अत्तानञ्ञे तथा कयिरा यथञ्ञमनुसासति।
सुदन्तो वत दम्मेथ अत्ता हि किर दुद्दमो।।

4) अत्ता हि अत्तनो नाथो को हि नाथो परोसिया।
अत्तनाव सुदन्तेन नाथं लभति दुल्लभं।।

किंवा / अथवा

1) अयोगे युञ्जमत्तानं योगस्मिञ्च अयोजयं।
अत्थं हित्वा पियग्गाही पिहेत' त्तानुयोगिनं।।

2) मा पियेहि समागच्छि अप्पियेहि कुदाचनं।
पियानं अदस्सनं दुक्खं अप्पिय्याञ्च दस्सनं।।

3) तस्मा पियं न कयिराथ पियपायो हि पापको।
गन्या तेसं न विज्जन्ति येसं नत्थि पियाप्पियं।।

4) पियतो जायते सोको पियतो जायते भयं।
पियतो विप्पमुत्तस्स नत्थि सोको कुतो भयं।।

ब) 'बालवग्ग' विषयी सविस्तर माहिती विशद करा. **6**
'बालवग्ग' के बारें में विस्तार से जानकारी विशद कीजिए।

किंवा / अथवा

'तण्हावग्ग' सविस्तर रुपात समजावून सांगा.
'तण्हावग्ग' विस्तृत रुप में समझाईए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा **कोणताही एक.** **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए **कोई भी एक।**

1) पराभवन्तं पुरिसं, मयं पुच्छाम गोतमं।
भगवन्तं पुट्ठुमागम्म, किं पराभवतो मुखं।।

2) सुविजानो भवं होति, सुविजानो पराभवो।
धम्मकामो भवं होति; धम्मदेस्सी पराभवो।।

3) इति हेतं विजानाम, पठमो सो पराभवो।
दुतियं भगवा ब्रूहि, किं पराभवतो मुखं।।

4) असन्तस्स पिया होन्ति, सन्ते न कुरुते पियं।
असतं धम्मं रोचेति, तं पराभवतो मुखं।।

किंवा / अथवा

1) करणीयमत्थकुसलेन, यं तं सन्तं पदं अभिसमेच्च
सक्को उजूच सुजू च, सुवचो चस्स मुदुअनतिमानी।।

2) सन्तुस्सको च सुभरोच, अप्पकिच्चो च - सल्लहुकवुत्ति।
सन्तिन्द्रियोच निपको च, अप्पगब्भोकुलेसु - अननुगिध्दी।।

3) न च खुद्दं समाचरे किञ्चि, येन विञ्ञूपरे उपवदेय्यु।
सुखिनो वा खेमिनो होन्तु, सब्बे सत्ता भवन्तु सुखितत्ता।।

4) ये केचि पाणभूतत्थि, तसा वा थावरा अनवसेसा
दीघा वा ये महन्ता वा, मज्झिमा रस्सका 'णुक-थूला।।

ब) 'कसि भारद्वाज' सुत्ताविषयी माहिती स्पष्ट करा. **6**
'कसि भारद्वाज' सुत्त के बारे में जानकारी लिखिए।

किंवा / अथवा

'धनिय सुत्ता' विषयी विस्तृत माहिती द्या.
'धनियसुत्त' के बारें में विस्तार से जानकारी दीजिए।

4. अ) व्यंजनाची व्याख्या सांगून त्याची विस्तृत माहिती द्या. **10**
व्यंजन की परिभाषा बताकर उसकी विस्तृत जानकारी दीजिए।

किंवा / अथवा

पालि मधील विशेषावर सविस्तर चर्चा करा.
पालि में विशेष पर सविस्तर से चर्चा कीजिए।

ब) व्याकरणकारावर माहिती लिहा **कोणतेही एक.** **6**
व्याकरणकार पर जानकारी लिखिए **कोई भी एक।**

1) कच्चायन व्याकरणकार

2) मोग्गलायन व्याकरणकार

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) स्वर

2) वसलसुत्त

3) धम्मपद

4) सुत्तनिपात

ब) योग्य पर्याय निवडा. **10**
उचित विकल्प चुनिए।

1) संस्कृतमध्ये एकूण अक्षरांची संख्या किती आहे?
संस्कृत में पूरी अक्षर संख्या कितनी है?
1) 52 2) 30
3) 43 4) 50

2) पालि भाषा मध्ये स्वर किती आहेत.
पालि में स्वर कितने है?
1) 16 2) 5
3) 10 4) 21

3) पालि मध्ये व्यंजन किती आहेत?
पालि में व्यंजन कितने है?
1) 33 2) 38
3) 40 4) 50

4) धम्मपदामध्ये एकूण किती वग्गचा समावेश आहे?
धम्मपद में पूरे कितने वग्गो का समावेश है?

1) 26 2) 23
3) 5 4) 30

5) धम्मपदामध्ये एकूण किती गाथा संग्रहित आहेत.
धम्मपद में कितने गाथा का समावेश है?

1) 423 2) 324
3) 243 4) 245

6) कच्चायन व्याकरणात सर संख्या किती आहेत?
कच्चायन के व्याकरण में सर संख्या कितने है?

1) 10 2) 8
3) 5 4) 7

7) कच्चायन व्याकरणात व्यंजन किती आहेत?
कच्चायन व्याकरण में व्यंजन कितने है?

1) 40 2) 70
3) 80 4) 33

8) धम्मपदात एकूण किती गाथा आहेत?
धम्मपद में कुल कितनी गाथाएँ हैं?

1) 223 2) 323
3) 423 4) 523

9) तिपिटक साहित्य किती विभागात विभक्त आहे?
तिपिटक साहित्य कितने विभागों में विभक्त है?

1) 2 2) 3
3) 4 4) 5

10) धम्मपद हा ग्रंथ कोणत्या निकायात येतो?
धम्मपद यह ग्रंथ कौनसे निकाय में आता है?

1) दीघनिकाय 2) मज्झिमनिकाय
3) अंगुत्तर निकाय 4) खुद्दक निकाय

****